

---

.. shrIgurustutiH ..

॥ श्रीगुरुस्तुती ॥

Document Information

---

Text title : gurustutiH

File name : shrIgurustutiH.itx

Location : doc\_deities\_misc

Author : Ganapati Muni with Ramana Maharshi

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : DPD

Proofread by : DPD

Description-comments : From Complete Works of Ganapati Muni Vol  
1

Latest update : November 24, 2012

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 3, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ श्रीगुरुस्तुती ॥

यो बभाणाभणन्नेव मुनिभ्यो ब्रह्म निर्द्वयम् ।  
दक्षिणामूर्तये तस्मै प्रज्ञानगुरवे नमः ॥ १ ॥  
स्थापितं ब्रह्मनिष्ठेन येनाद्वैतमतं भुवि ।  
तस्मै शङ्करसंज्ञाय विज्ञानगुरवे नमः ॥ २ ॥  
अंशावतारः स्कन्दस्य विश्वाचार्यो विदां वरः ।  
प्रणम्यते महाभागो रमणो भगवानृषिः ॥ ३ ॥  
दक्षिणामूर्तिसारम्भां शङ्कराचार्यमध्यमाम् ।  
रमणाचार्यपर्यन्तां वन्दे गुरुपरम्पराम् ॥ ४ ॥  
तिमिराणि न केवलं वचोभिः  
करुणापाङ्गविलोकितैश्च नृणाम् ।  
हृदये प्रसरन्ति मर्दयन्तं  
भगवन्तं रमणं गुरुं नमामि ॥ ५ ॥  
॥ इति श्रीभगवन्महर्षिरमणान्तेवासिनो वासिष्ठस्य  
नरसिंहसूनोः गणपतेः कृतिः श्रीगुरुस्तुतिः समाप्ता ॥  
अनुष्टुप्वृत्तम् (१-४) । सुबोधितावृत्तम् (५)  
Encoded and proofread byDPD

